

मौन की महिमा महान

मौन की महिमा महान है।
मौन जीवन का परम मित्र है।
मौन सर्वोत्तम भाषा है, जो विस्तार को सार में लाती है।
मौन की शक्ति मन की एकाग्रता को बढ़ाती है।
मौन रहने वाले ही शान्तिधाम की स्थिति का अनुभव कर सकते हैं।
मौन से परमात्म सुख का अनुभव करना सहज हो जाता है।
मौन से मन तरोताजा स्थिति का अनुभव करता है।
मौन अतिन्द्रिय सुख की अनुभूति कराता है।
मौन अर्थात् क्वालिटी वाले श्रेष्ठ संकल्प ही चलें।
मौन अर्थात् व्यर्थ व साधारण संकल्प से मुक्त।
मौन विचारों को श्रेष्ठ बनाने का टॉनिक है।
मौन में की गई साधना से मन की शक्ति बढ़ती है।
मौन से आत्म चिन्तन को बल मिलता है।
मौन से अंतर्मुखता का सुखदायी रस अनुभव होता है।
मौन से वाणी संयमित हो जाती है।
मौन विवेक शक्ति को यथार्थ रूप से जागृत करता है।
मौन देह व देह की दुनिया को भूलने का सहज साधन है।
मौन कलह-क्लेश को मिटाने की अचूक औषधि है।
मौन मनमनाभव व मध्याजीव रहने की संजीवनी बूटी है।
मौन से आत्मिक शक्तियां जागृत होती हैं।
मौन अध्यात्म पथ पर चलने वाले का एक शस्त्र है।
मौन की शक्ति मन को समर्थ बनाती है।
मौन के वायब्रेशन वायुमण्डल को शक्तिशाली बनाते हैं।
मौन स्वधर्म में टिकने का सहज उपाय है।
मौन कर्मेन्द्रियजीत बनने का सहायक मार्ग है।
मौन सभी प्रकार के मतभेदों को भुलाने का सार्थक प्रयास है।
मौन मन की स्थिति को एकरस बनाने की दवाई है।
मौन परमात्म प्यार में खो जाने का सहज पुरुषार्थ है।
मौन परमात्म शक्तियों की अनुभूति करने का श्रेष्ठ माध्यम है।
मौन स्थिति को डबल लाईट बनाकर योग की शक्ति को बढ़ाता है।
मौन बोल को समर्थ, यथार्थ, युक्तियुक्त, राजयुक्त, मधुर व्यवहारयुक्त बनाता है।

ओम् शान्ति